

---

# Kashyapakritam 1 Shiva Stotram

---

## कश्यपकृतं १ शिवस्तोत्रम्

---

### Document Information

---



---

Text title : Kashyapakritam 1 Shiva Stotram

File name : kashyapakRRitaM1shivastotram.itx

Category : shiva, brahmapurANa, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : brahmapurANa | adhyAya 100/19-21||

Latest update : September 29, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 29, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



कश्यपकृतं १ शिवस्तोत्रम्

---



कश्यप उवाच ।

लोकत्रयैकाधिपतेर्न यस्य कुत्रापि वस्तुन्यभिमानलेशः ।

स सिद्धनाथोऽखिलविश्वकर्ता भर्ता शिवाया भवतु प्रसन्नः ॥ १९ ॥

तापत्रयोष्णद्युतितापितानामितस्ततो वै परिधावतां च ।

शरीरिणां स्थावरजङ्गमानां त्वमेव दुःखव्यपनोददक्षः ॥ २० ॥

सत्त्वादियोगस्त्रिविधोऽपि यस्य शक्रादिभिर्वक्तुमशक्य एव ।

विचित्रवृत्तिं परिचिन्त्य सोमं सुखी सदा दानपरो वरेण्यः ॥ २१ ॥

इति ब्रह्मपुराणे शततमाध्यायान्तर्गतं

कश्यपकृतं शिवस्तोत्रं समाप्तम् ।

ब्रह्मपुराण । अध्याय १००/१९-२१ ॥

brahmapurANa . adhyAya 100/19-21..

Proofread by PSA Easwaran

---

---

*Kashyapakritam 1 Shiva Stotram*

pdf was typeset on September 29, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

